To

The Principal,

Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya

Nandgaon (kh)

Subject: Seeking permission to organise **"My BAPPA"** a green initiative to create awareness against use of Plaster of Paris (POP) idol of Lord Ganesh

Respected Madam,

Department of Zoology and Green Army Club wishes to seek your permission for the conduction of **"My BAPPA"** a green initiative to create awareness against POP idol of Lord Ganesh. The initiative is going to be conducted in association with Wildlife Environment conservation Society (WECS), Amravati under the MoU Signed between Dept. of Zoology and WECS, Amravati

We request you to grant us the permission to conduct the above said activity from **8th to 10th September 2021**

`Regards

psmahalle

Head

Department of Zoology

Head
Dept. of Zoology
Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya
Nandgaon Kh.

Principal

PRINCIPAL
Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya,
Nandgaon Khan. Dist. Amravati

प्रविण खोडके मेमोरीयल ट्रस्ट, अमरावती द्वारा संचालित

विनायक विज्ञान महाविद्यालय

नांदगाव खंडेश्वर, जि. अमरावती

प्राणिशास्त्र विभाग, ग्रीन आर्मी क्लब व

वाईल्ड लाईफ ॲन्ड एन्व्हायर्मेंट कन्झरव्हेशन सोसायटी, अमरावती

द्वारा आयोजित

प्रदुषण मुक्त गणेशोत्सव ...
प्रदुषण मुक्त गणेशविसर्जन ... !

"MY बाप्पा"

मातीचे गणपती बसवा
निसर्गाशी बांधीलकी दाखवा !

"जोडा पर्यावरणाशी नाती, बसवा मातीचे गणपती"

10 INCH	11 INCH	11 INCH	12 INCH	13 INCH
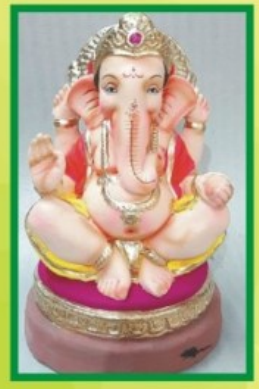				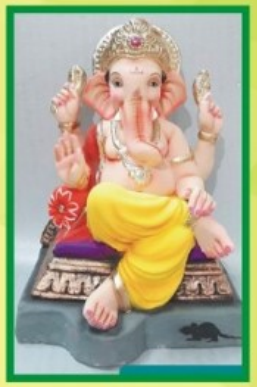
Rs. 250/-	Rs. 300/-	Rs. 300/-	Rs. 350/-	Rs. 550/-

डॉ. अलका भिसे
प्राचार्य

डॉ. अंजली देशमुख
अध्यक्ष, WECS

डॉ. जयंत वडतकर
सचिव, WECS

डॉ. सुचिता खोडके
समन्वयक, IQAC

डॉ. प्रतिभा महल्ले
विभाग प्रमुख,
प्राणिशास्त्र विभाग

- ओयाजन समिती -

डॉ. गजेन्द्र पचलोरे श्री. सुबोध बनसोड श्री. स्वप्निल तिनखेडे श्री. शिलानंद हिवराळे

“My BAAPA” eco-friendly way to welcome Ganesh this festive season.

Department of Zoology and GREEN ARMY CLUB of Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya, Nandgaon (Kh.) Joined Hands with Wildlife and Environmental Conservation Society for eco-friendly Ganesh Utsav.

India is known for its vivid festivals and rituals that are followed during these festivals. It’s exciting to see peoples gathering and coming together to celebrate various festivals but while doing this one must also realise that this power of togetherness can be used for the betterment of planet earth and also in restoring the beauty of mother nature. One such festival of great importance is Ganesh Utsav. The arrival of Ganapati is celebrated in all the household, but it has been observed that after the 10 days of celebration is over the Plaster Of Paris (POP) idols are half immersed in local ponds and water bodies. These idols along with the bunch of offerings becomes the part of water pollution now. Although the local governing body every year makes an arrangement to reduce this pollution but ever-increasing sale of POP idols of Ganapati has made the situations worsening. To tackle this deteorating situation GREEN ARMY CLUB of Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya, Nandgaon (kh) Along with Wild life Environment Conservation Society, Amravati has initiated the promotion of selling Ganapati idols made from clay and not POP. The WECS, Amravati is a pioneer organisation and have been spreading awareness in this field from many years. Department of Zoology, of Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya, Nandgaon (Kh.) have signed MoU with WECS and have actively participated in many nature friendly activities along with WECS. This year department of Zoology extended the work of WECS of spreading awareness towards clay idol instead of POP in the town of Nandgaon (Kh.). The Department of Zoology successfully sold more than 100 clay idol of Ganapati bappa at Nandgaon (Kh). The activity was carried out in association with GREEN ARMY CLUB of Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya, Nandgaon (Kh). It was found that POP does not dissolve quickly and takes months and some time years to get completely dissolve. This half-immersed idol blocks the passage of flow of water and hence the clogging of rives and water bodies takes place. Apart from the clogging of river mouths, the colours that are used in painting the idol are also very toxic and are source of heavy metal pollution. The best remedy to this problem is that everyone must resort to clay idol and must use minimum or no plastic decorative items. The

movement started by department of Zoology will definitely gain a momentum in next year. The event was supported by all the Members of WECS specially the president of WECS Dr Anjali Deshmukh, Secretary Dr Jayant Wadatkar were great support during the organisation of the event. The event was also hugely appreciated by IQAC coordinator Dr Suchita Khodke and Principal of Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya, Nandgaon (Kh) Dr Alka Bhise. Members of the organising committee Dr Gajendrasingh Pachlore, Mr Shilanand Hiwrale, and Mr Subodh Bansod took efforts to make the event a grand Success.

psmahalle

Head

Department of Zoology

Head
Dept. of Zoology
Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya
Nandgaon Kh.

Following people have purchased Clay Idol of Ganesh Bappa from **Green Army Club of Vinayak Vidnyan Mahavidyalaya, Nandgaon Khandeshwar** in collaboration with **Wild Life and Environment Conservation Society**, Amravati

Sr. No.	Name of Customer	Price
1.	Anisha Deshmukh	**250**
2.	Mr. Rupesh Fuke	**350**
3.	Mr Ajay Ambhore	**300**
4.	Swapnil Tinkhede	**300**
5.	Dr Priti Deshmukh	**300**
6.	Mr. Nilesh Padole	**300**
7.	Dr. Vinod Sherekar	**300**
8.	Dr. Anant Wadatkar	**350**
9.	Dr Alka Bhise	**350**
10.	Dr Shyam Dalavi	**350**
Total		**3150/-**

Amount of **Rs 3150/-** has been transferred (By Cash) to the WECS authority. The Green Army Club appreciate and acknowledge the help and cooperation of WECS.

वर्ष -१ - अंक- १२५- अमरावती शुक्रवार , दि.१७.०९.२०२१ - पृष्ठ- ६ - किंमत ४ रु - मो - ९९२२५६७८६२ - citypragatikhabbr@gmail.com

विकास के राह में विकास के साथ

Title code : MAHHIN10262

सांध्य दैनिक

सिटी प्रगति

संस्थापक संपादक : श्रीमती .अल्फिया दवावाला

मुख्य संपादक : अली असगर दवावाला

"MY बापा" भगवान् गणेश का इको-फ्रेंडली स्वागत

अमरावती प्रतिनिधि – भारत अपने त्योहारों और अनुष्ठानों के लिए जाना जाता है जिनका पालन इन त्योहारों के दौरान किया जाता है। विभिन्न त्योहारों को मनाने के लिए लोगों को इकट्ठा होते और एक साथ आते देखना रोमांचक है, लेकिन ऐसा करते समय यह भी महसूस करना चाहिए कि इस एकजुटता की शक्ति का उपयोग पृथ्वी की बेहतरी के लिए और प्रकृति की सुंदरता को बहाल करने में भी किया जा सकता है। ऐसा ही एक बड़ा महत्व का त्योहार है गणेश उत्सव। गणपति के आगमन का जश्न सभी घरों में मनाया जाता है, लेकिन यह देखा गया है कि 10 दिनों के उत्सव के बाद प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियों को स्थानीय तालाबों और जल निकायों में आधा विसर्जित कर दिया जाता है। प्रसाद के गुच्छे के साथ ये मूर्तियाँ अब जल प्रदूषण का हिस्सा बन जाती हैं। वैसे तो स्थानीय प्रशासन संस्था हर साल इस प्रदूषण को कम करने की व्यवस्था करती है लेकिन गणपति की पीओपी मूर्तियों की लगातार बढ़ती बिक्री ने हालात और खराब कर दिए हैं। इस बिगड़ती स्थिति से निपटने के लिएविनायक विज्ञान महाविद्यालय, नंदगांव (ख) के प्राणी शास्त्र विभाग और ग्रीन आर्मी क्लब ने वन्य जीव पर्यावरण संरक्षण संस्था ,अमरावतीके साथ, मिलकर मिट्टी से बनी गणपति की मूर्तियों को बेचने को बढ़ावा दिया है । WECS, अमरावती एक अग्रणी संगठन है और कई वर्षों से इस क्षेत्र में जागरूकता फैला रहा है। विनायक विज्ञानं महाविद्यालय, नंदगांव (ख) के प्राणी शास्त्र विभाग ने WECS के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और WECS के साथ कई प्रकृति अनुकूल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इस वर्ष जूलॉजी विभाग ने नंदगांव (ख) शहर में पीओपी के बजाय मिट्टी की मूर्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के WECS के काम को बढ़ाया। जूलॉजी विभाग ने नंदगांव (ख) में गणपति बप्पा की 100 से अधिक मिट्टी की मूर्तियों को सफलतापूर्वक बेचा। यह गतिविधि विनायक विद्यालय, नंदगांव (ख) के ग्रीन आर्मी क्लब के सहयोग से की गई थी। आमतौर पर ये देखा गया कि पीओपी जल्दी विघटन नहीं होता है और पूरी तरह से विघटन होने में महीनों या कुछ वर्षों का समय लगता है। यह आधी विसर्जित मूर्ति बहते पानी के मार्ग को अवरुद्ध करती है , इसलिए नदियों और जल निकायों का प्रदुषण होता है। इसके अलावा, मूर्ति को चित्रित करने में उपयोग किए जाने वाले रंग भी बहुत जहरीले होते हैं और धातु प्रदूषण का स्रोत होते हैं। इस समस्या का सबसे अच्छा उपाय यह है कि सभी को मिट्टी की मूर्ति का सहारा लेना चाहिए और कम से कम प्लास्टिक की सजावटी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। जूलॉजी विभाग द्वारा शुरू किया गया आंदोलन निश्चित रूप से अगले वर्ष गति प्राप्त करेगा। इस आयोजन को WECS के सभी सदस्यों, विशेष रूप से WECS की अध्यक्षा डॉ अंजलि देशमुख, सचिव डॉ जयंत वडतकर ने आयोजन के दौरान बहुत समर्थन दिया। विनायक विज्ञानं महाविद्यालय की I. Q. A. C. समन्वयक डॉ सुचिता खोडके और विनायक विज्ञानं महाविद्यालय, नंदगांव (ख) की प्राचार्य डॉ अलका भिसे ने भी इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। आयोजन समिति के सदस्य प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख डॉ प्रितभा महल्ले , सहायक प्रा गजेंद्रसिंह पचलोरे ,सहायक प्रा श्री शिलानाद हिवराळे और सहायक प्रा श्री सुबोध बंसोड़ ने आयोजन को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए प्रयास किया।

विदर्भ की दहाड

शहर-जिला-राज्य

माय बाप्पा भगवान गणेश का इकोफ्रेंडली स्वागत

प्रतिनिधि, १८ सितंबर

अमरावती- भारत अपने त्योहारों और अनुष्ठानों के लिए जाना जाता है जिनका पालन इन त्योहारों के दौरान किया जाता है। विभिन्न त्योहारों को मनाने के लिए लोगों को इकट्ठा होते और एक साथ आते देखना रोमांचक है, लेकिन ऐसा करते समय यह भी महसूस करना चाहिए कि इस एकजुटता की शक्ति का उपयोग पृथ्वी की बेहतरी के लिए और प्रकृति की सुंदरता को बहाल करने में भी किया जा सकता है। ऐसा ही एक बड़ा महत्व का त्योहार है गणेश उत्सव। गणपति के आगमन का जश्न सभी घरों में मनाया जाता है, लेकिन यह देखा गया है कि १० दिनों के उत्सव के बाद प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियों को स्थानीय तालाबों और जल निकायों में आधा विसर्जित कर दिया जाता है। प्रसाद के गुच्छे के साथ ये मूर्तियां अब जल प्रदूषण का हिस्सा बन जाती हैं। वैसे तो स्थानीय प्रशासन संस्था हर साल इस प्रदूषण को कम करने की व्यवस्था करती है लेकिन गणपति की पीओपी मूर्तियों की लगातार बढ़ती बिक्री ने हालात और खराब कर दिए हैं। इस बिगड़ती स्थिति से निपटने के लिए विनायक विज्ञान महाविद्यालय, नंदगांव (खं) के प्राणी शास्त्र विभाग ने डब्ल्यूईसीएस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और डब्ल्यूईसीएस के साथ कई प्रकृति अनुकूल गतिविधियों में सक्रिय रुप से भाग लिया है।

विनायक विज्ञान महाविद्यालय, नंदगांव (खं) के प्राणी शास्त्र विभाग और ग्रीन आर्मी क्लब का आयोजन

इस वर्ष जूलॉजी विभाग ने नांदगांव (खं) शहर में पीओपी के बजाय मिट्टी की मूर्ति के प्रति जागरुकता फैलाने के डब्ल्यूईसीएस के काम को बढ़ाया। जूलॉजी विभाग ने नंदगांव (ख) में गणपति बाप्पा की १०० से अधिक मिट्टी की मूर्तियों को सफलतापूर्वक बेचा। यह गतिविधि विनायक विद्यालय, नांदगांव (खं) के ग्रीन आर्मी क्लब के सहयोग से की गई थी। आमतौर पर ये देखा गया कि पीओपी जल्दी विघटन नहीं होता है और पूरी तरह से विघटन होने में महीनों या कुछ वर्षों का समय लगता है। यह आधी विसर्जित मूर्ति बहते पानी के मार्ग को अवरुद्ध करती है, इसलिए नदियों और जल निकायों का प्रदुषण होता है। इसके अलावा, मूर्ति को चित्रित करने में उपयोग किए जाने वाले रंग भी बहुत जहरीले होते हैं और धातु प्रदूषण का स्रोत होते हैं। इस समस्या का सबसे अच्छा उपाय यह है कि सभी को मिट्टी की मूर्ति का सहारा लेना चाहिए और कम से कम प्लास्टिक की सजावटी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। जूलॉजी विभाग द्वारा शुरू किया गया आंदोलन निश्चित रुप से अगले वर्ष गति प्राप्त करेगा। इस आयोजन को डब्ल्यूईसीएस के सभी सदस्यों, विशेष रुप से डब्ल्यूईसीएस की अध्यक्षा डॉ. अंजलि देशमुख, सचिव डॉ जयंत वडतकर ने आयोजन के दौरान बहुत समर्थन दिया। विनायक विज्ञान महाविद्यालय की क्यएसी समन्वयक डॉ सुचिता खोडके और विनायक विज्ञान महाविद्यालय, नंदगांव (खं) की प्राचार्य डॉ. अलका भिसे ने भी इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। आयोजन समिति के सदस्य प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख डॉ प्रितभा महल्ले, सहायक प्रा. गजेंद्रसिंह पचलोरे, सहायक प्रा. शिलानाद हिवराले और सहायक प्रा. सुबोध बंसोड़ ने आयोजन को भव्य रुप से सफल बनाने के लिए प्रयास किया।

प्रागतिक विद्यालय की सफलता

संवाददाता, १८ सितंबर

अंजनगांव सुर्जी-स्थानीय प्रागतिक विद्यालय के अपूर्वा शरद ठाकरे व यशवंत निलेश हाडोले ने राष्ट्रीय प्रज्ञा शोध परीक्षा उत्तीर्ण कर छात्रवृत्ति हेतु चयनित हुए है। दोनों विद्यार्थियों को प्रशांत काले व आतकड सर का मार्गदर्शन मिला। अपूर्वा व यशवंत का संस्थाध्यक्ष आ.ना. बोरोड़े, उपाध्यक्ष ग.बी. हाडोले, रामभाऊ मेन, चिमोटे, सुधाकर तिखिले, चंद्रशेखर मेन, मुख्याध्यापक रमेश निमकर, पर्यवेक्षिका छाया छापानीमोहन व कला शिक्षक विजय जवंजाल सहित कर्मचारियों ने अभिनंदन किया है।

भातकुली में आवास योजना में ग़डबड़ी

प्रतिनिधि, १८ सितंबर

अमरावती- जिले के भातकुली तहसील अंतर्गत हरताला गांव में घरकुल आवास योजना के सर्वेक्षण में ग़डबड़ी कर पात्र लाभार्थियों को आवास से वंचित रखा गया है। तहसील अंतर्गत आवास योजना के लाभार्थियों को लाभ प्राप्त होने पुनः सर्वेक्षण करने की मांग शिवसेना जिलाप्रमुख सुनील खराटे ने की है। निवासी उपजिलाधीश डॉ. नितिन व्यवहारे को ज्ञापन सौंपते हुए उन्होंने कहा कि, हरताला गांव में आवास योजना का सर्वेक्षण किया गया।